डी० एल० डब्ल्यू० मेन्स यूनियन, वाराणसी

सम्बद्ध :- आल इण्डिया रेलवे मेन्स फेडरेशन एवं हिन्द मजदूर सभा, नई दिल्ली

पंजीकरण सं० 4457 स्थापित सन् - 1968 पत्रालय - डी० एल० डब्ल्यू०, वाराणसी - 221004

पत्रांक सं. ..... दिनांक 19.09.2012.....

प्रकाशनार्थ

रेल कर्मचारियों ने किया न्यू-पेंशन स्कीम का विरोध

डी0एल0डब्ल्यू0 मेन्स यूनियन ने आल इण्डिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के आहवान पर न्यू-पेंशन स्कीम के विरोध में आज दिनांक 19.09.2012 को डी0रे0का0 प्रशासन भवन के समाने सुबह 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक धरने का आयोजन किया। जिसमें यूनियन के लगभग 200 पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने धरने में भाग लिया। शाम को 4:00 बजे कारखाने की छुट्टी होते ही सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी धरना स्थल पर पहुँचकर धरने के समर्थन में एवं न्यू-पेंशन स्कीम के विरोध में गगनभेदी नारेबाजी कर भारत सरकार एवं रेल मंत्रालय का ध्यान अपने विरोध आन्दोलन की तरफ आकृष्ट किया।

सभा का संचालन करते हुए **महामंत्री अरविन्द श्रीवास्तव** ने कहा कि हमारे यूनियन का दृष्टिकोण है कि सभी रेल कर्मचारी चूँकि हाई रिस्क में कार्य करते है। इसलिए उन्हें गारंटिड पेंशन प्राप्त हो और कर्मचारियों की मृत्यु होनेपर उनके परिवार को पारिवारिक पेंशन मिलना चाहिए। महामंत्री ने कहा कि नई पेंशन योजना वास्तव में कर्मचारियों और उनके परिवार के साथ घोर अन्याय है जिसमें यह तक पता नहीं है कि कर्मचारियों को उनकी लम्बी रेल सेवा के बाद क्या मिलेगा और उनका बुढ़ापा कैसे कटेगा। चूँकि नई अंशदायी पेंशन योजना न तो देश के हित में है और न ही कर्मचारियों के न्यूनतम पेंशन की गारंटी देता है। इसलिए मेरी यूनियन चाहती है कि सरकार बिना शर्त इस पेंशन योजना को वापस ले।

क्रमशः.....2 पेज पर

पत्रांक सं. ..... (2) दिनांक .....

सभा की अध्यक्षता करते हुए यूनियन के **कार्यकारी अध्यक्ष अजय कुमार** ने कहा कि एक तरफ तो रेलवे बोर्ड न्यू-पेंशन के लिए हर संस्थान में सेल के गठन की बात करती है दूसरी ओर वहाँ के अधिकारियों को ट्रेनिंग की व्यवस्था नहीं करती। जिससे की वे इस स्कीम के बारे में सामान्य जानकारी भी कर्मचारियों को उपलब्ध करा सके।

यूनियन के **कोषाध्यक्ष हरिशंकर यादव** ने कहा कि सरकार पी०एफ०आर० डी०ए० बिल तत्काल वापस ले और दिनांक 01.01.2004 और उसके बाद सेवा में आये कर्मचारियों पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करें अन्यथा रेल मंत्रालय कर्मचारियों के बड़े आन्दोलन से निपटने के लिए भी तैयार रहे।

यूनियन के **उपाध्यक्ष विश्ववर्द्धन सिंह एवं छोटे लाल** ने कहा कि फेडरेशन के माँग पर रेलवे बोर्ड के आदेश के बावजूद प्रत्येक संगठन में 25 कर्मचारियों का न्यू-पेंशन की जानकारी हेतु ट्रेनिंग की व्यवस्था करने हेतु ट्रेनर और प्रशासन से वार्ताकार बनाने की बात से भी प्रशासन कतरा रही। जिससे न्यू-पेंशन के विषय में इनकी जानकारी एवं इनके नियत पर शक होता है सभा एवं धरने में प्रमुख रूप से निम्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। संजय कुमार,अरविन्द प्रधान, दिनेश भारती, रवि शंकर सिंह, सुधीर श्रीवास्तव, नरेन्द्र सिंह भण्डारी, शिव बालक, त्रिलोकी, रवि नारायण सिंह (बबलू), धनंजय राय, मदन मोहन सिंह, अमित सिन्हा, राजेश कुशवाहा एवं डी०एल०डब्ल्यू० मेन्स यूनियन युवा मोर्चा से रत्नम सिंह, विमलेश कुमार, अमित अस्थाना, जयराम राम, मिथिलेश त्रिपाठी, दिलीप तिर्की, चन्दन कुशवाहा, संजय सिंह इत्यादि।

(अरविन्द श्रीवास्तव)
महामंत्री
डी०एल०डब्ल्यू० मेन्स यूनियन